केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जयपुर/शनिवार/06 सितम्बर, 2025

साप्ताहिक समाचार पत्र

आकाशदीप

वर्ष : 55 | अंक : 15 | डाक पंजीयन सं. JAIPUR CITY/108/2024-26 | RNI. NO 23730/72 | एक प्रति 1 रुपया

महान शिक्षक से महान पत्रकार बने डॉ. भारतीय

राष्ट्रपति सम्मानित, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी लंदन द्वारा नेल्सन मंडेला अवार्ड से पुरस्कृत, लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त, हिन्द रत्न, राजस्थान गौरव, गुरु द्रौणाचार्य सम्मान सहित दर्जनों शिक्षक रत्न पुरस्कार प्राप्त डॉ. भारतीय ने अपने करियर की शुरुआत कोचिंग से की थी। जनता कॉलेज की स्थापना से पहले डॉ. भारतीय चौड़ा रास्ता स्थित आदर्श कॉलेज में पढ़ाते थे। विज्ञान उनका प्रिय विषय था। माइक के माध्यम से 2000 छात्रों को एक साथ पढ़ाने में डॉ. भारतीय ने इतिहास बनाया था। शिक्षकों के अभाव में डॉ. भारतीय ने संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भी बड़े चाव से पढ़ाई थी। पूरा जयपुर शहर डॉ. भारतीय के कोचिंग में पढ़ने आता था। डॉ. भारतीय द्वारा पढ़ाए गए छात्र आज सरकारी व गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में उच्च पदों पर आसीन है।

आश्चर्य तब होता है जब उनके शिष्य विज्ञान जैसे विषय के सूत्र गा-गा कर सुनाते हैं। डॉ. भारतीय कोई भाषा हो या विज्ञान विषय, कभी पुस्तक हाथ में लेकर ही नहीं पढ़ाते थे। छात्रों को संस्कृत के श्लोक व हिन्दी के दोहे, पद्य कंठस्थ याद कराते थे।

भारतीय सभ्यता व संस्कृति का प्रचार व दर्जनों देशों का भ्रमण

1987 में डॉ. भारतीय सबसे पहले यूएसएआर जिसे आज रूस कहते हैं, की यात्रा पर गए। यह यात्रा इंडो रसिया फ्रेंडशिप द्वारा कराई गई थी। उसने बाद जब चीन के पत्रकार जयपुर आए तो उनका डॉ. भारतीय ने भव्य स्वागत किया। उसके बाद चीन के पत्रकारों के आमंत्रण पर चीन यात्रा पर एक शिष्टमंडल के साथ गए। 6 बार लंदन की यात्रा की, दो बार अमेरीका, सिंगापुर, जर्मनी, फ्रांस सहित यूरोप व एशिया के अनेक देशों की यात्रा कर भारतीय सभ्यता, संस्कृति का प्रचार किया। डॉ. भारतीय को विभिन्न विषयों पर व्याख्यान के लिए बुलाया जाता था।

पत्रकारिता में प्रवेश

जनू 1972 में आकाशदीप साप्ताहिक समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया जो आपातकाल को छोड़कर निरंतर प्रकाशित हो रहा है। 1993 से एक दैनिक समाचार पत्र खबरों की दुनिया निरंतर आपकी सेवा में आ रहा है। खबरों की दुनिया पहला समाचार पत्र है जिसमें रोजाना डॉ. भारतीय देश की राजनीतिक स्थिति पर संपादकीय लिखते हैं।

महापुरुषों के साथ

डॉ. भारतीय के प्रेरणा स्त्रोत देश के महान शिक्षाविद् राजनेता एवं प्रगतिशील लोग रहे हैं। तेजकरण डांडिया से लेकर मनोहर प्रभाकर, पं. देवीशंकर तिवाड़ी, गुजरात की पूर्व राज्यपाल डॉ. कमला, पं. नवलकिशोर शर्मा, सत्यनारायण रेड्डी, पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जिन्होंने राष्ट्रपति पदक दिया था। वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अभी हाल ही में मिलकर आशीर्वाद लिया था। जिस क्षेत्र में डॉ. भारतीय ने कदम रखा अपने अनुयायियों की फौज तैयार कर ली। उन्होंने ऐसे शिष्य तैयार किए जिन्होंने आगे चलकर देश विदेश में अपना नाम रोशन किया।

विभिन्न हस्तियों से डॉ. भारतीय को मिला सम्मान व मुलाकात का अवसर

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ।

राज्यपाल बागडे के साथ।

पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू के साथ।

नेपाल की उपराष्ट्रपति के साथ।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ।

पूर्व उपराष्ट्रपति भैंरो सिंह शेखावत से सम्मान प्राप्त करते डॉ. भारतीय।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी के साथ।

नेल्सन मंडेला अवार्ड प्राप्त करते हुए।

शिक्षामंत्री से सम्मानित होते डॉ. भारतीय।

पत्रकार व विधायक गोपाल शर्मा से सम्मानित होते डॉ. भारतीय।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ डॉ. भारतीय।

जीवन में प्रेरणा स्त्रोत रहे पं. नवल किशोर शर्मा के साथ।

पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के साथ।

मोदी, जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात से ट्रंप हुआ बैचेन

पुतिन से बात करते रहे मोदी बगल में खड़े पाकिस्तानी पीएम बगले झांकते रहे

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

तुलसी नर का क्या बड़ा समय बड़ा बलवान... यह कहावत हमारे प्रधानमंत्री ने एससीओ समिट में सिद्ध कर दी। अमेरीका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर सोचा था कि भारत इस टैरिफ के सामने घुटने टेक देगा लेकिन नरेंद्र मोदी ने ट्रंप की इस भविष्य की रूपरेखा को धूमिल कर दिया। जिस चीन के साथ वर्षों से दुश्मनी चली आ रही थी उसी चीन के साथ मिलकर नई राह खोज ली। चीन भारत मुलाकात से अमेरीका घबरा गया। दूसरी ओर रूस जो हमारा पुराना मित्र है के साथ भी मोदी ने मिलकर अमेरीकी टैरिफ का मुकाबला न करने का नया रास्ता खोज लिया। मजेदार बात यह रही की रूसी राष्ट्रपति पुतिन व नरेंद्र मोदी बाते करते रहे और पाकिस्तानी पीएम मुंह ताकते रहे।

पुतिन मोदी जिनपिंग एससीओ में एक मंच पर दिखाई दिए

जिस चीन और रूस की बदौलत ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाई थी चीन और रूस एससीओ की मीटिंग में भारत के साथ खड़े नजर आए। यूक्रेन को लेकर रूस पहले से ही ट्रंप से नाराज चल रहे हैं। दूसरी ओर चीन भी नहीं चाहता है कि ट्रंप के दबाव में वह भारत के साथ दुश्मनी को आगे बढ़ाएं। भारत चीन की शत्रुता से भारत को कम चीन को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। भारत अमेरीका को निर्यात किया जाने वाला माल चीन के जरिए विश्व के दूसरे देशों को निर्यात कर सकता है। चीन के माध्यम से भारत का माल बिकता रहेा। अमेरीकी टैरिफ का अधिक नुकसान नहीं होगा। चीन रूस भारत के मधुर मिलन से पाकिस्तान अकेला पड़ गया।

रूस चीन संकट में भारत के साथ खड़े नजर आते हैं

रूस चीन और भारत के मंच पर आने से अपने टैरिफ से दुनिया भर में हलचल मचाने वाले ट्रंप को भारत को दुश्मन की तरह ट्रीट करना महंगा पड़ सकता है। यदि तीनों देश साथ आ गए तो दुनिया अमेरीका से 9 गुनी आबादी दो गुनी संयुक्त जीडीपी और परमाणु हथियारों को लेकर भारी पड़ेंगे। भारत पर ट्रंप की पॉलिसी रूस से तेल खरीदने की वजह से 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। भारत पाकिस्तान के युद्ध के सीजफायर का भी खुद श्रेय लेना चाहते थे। इसी प्रकार चीन पर भी ट्रंप की पॉलिसी 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया। जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। इसके बाद ट्रंप नरम पड़े। दो बार टैरिफ टाल चुके हैं। इसी प्रकार ट्रंप ने अभी रूस से कोई आर्थिक प्रतिबंध नहीं हटाए हैं।

ट्रंप असली शांतिदूत निकले भारत और चीन को करीब ला दिया

इंटरनेशनल पीस के विशेषज्ञ एशले टेरिस ने ट्रंप के टैरिफ गाने पर तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ क्या लगाया भारत और चीन दो शत्रु राष्ट्र एक दूसरे के नजदीक आ गए। ट्रंप के टैरिफ के जवाब में भारत चीन रूस तीनों की बड़ी सैन्य एवं आर्थिक ताकते एक साथ आ जाएगी। इसलिए एससीओ जैसे छोटे समिट पर भी पूरी दुनिया की नजरें टिकी रही। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एससीओ में उदार दिल से अपने पड़ोसियों के साथ मिलकर पुराने गिले शिकवे दूर करने का भरपूर प्रयास किया। चीन रूस भारत के एक मंच पर आने से अमेरीका को मजबूर होना पड़ेगा।

किरोड़ी लाल मीणा ने बेनीवाल से मांगी माफी

एक दूसरे की पोल खुलने के डर से दोनों ने किया राजीनामा

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

राजनीति भी अजीब चीज है, पता नहीं कब कोई अकस्मात दुश्मन बन जाए। किरोड़ी लाल मीणा राजनीति के धुरंधर नेताओं में माने जाते हैं। किरोड़ी लाल की दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही बुरी है। वे समय आने पर अपने दोस्तों को भी नहीं बख्शते हैं। सबके सामने उसकी पोल खोल रखकर उसे पूरा नंगा कर देते हैं। यही आदत हमारे आरएलपी के एक मात्र सांसद हनुमान बेनीवाल की है। वे भी मित्र कम दुश्मन ज्यादा पालते हैं। दोनों ही राजनीति के धुरंधरों के समर्थकों की कोई कमी नहीं है। दोनों के नारे लगाने वाले हर जगह मिल जाते हैं। पार्टी वार्टी दोनों के लिए कोई अहमियत नहीं रखती है। अपने स्वार्थ के लिए पार्टी वार्टी को भी दांव पर लगा देते हैं। सत्ता के मुखिया को भी वे अपनी जुबान के जरिए भला-बुरा कहने से नहीं चूकते हैं।

एक दूसरे को बताया था चोर और लुटेरा

एक दिन पहले किरोड़ी लाल मीणा और हनुमान बेनीवाल ने एक दूसरे को चोर लुटेरा बताया था। दोनों टीवी पर भिड़ गए थे। किरोड़ी लाल ने बेनीवाल को यहां तक कह दिया था कि तुम लुटेरे हो, चोर हो, मैंने खुद अपने हाथों से पैसे दिए हैं। बेनीवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि तुम लुटेरे आप हो चोरों को बचाते हो। अपनी हद में रहकर बात करो। गहलोत सरकार को बचाने के लिए 200 करोड़ के लेनदेन का आरोप भी लगा। किरोड़ी ने आगे कहा कि कागज दूं क्या, जो प्रमाणित करें कि तुम लुटेरे हो। बेनीवाल के आरोपों से परेशान होकर किरोड़ी ने यहा तक कहा कि यदि आरोप सिद्ध हुए तो राजनीति छोड़ दूंगा। किरोड़ी ने आरएलपी में रही एक महिला मंत्री पर पेपरलीक करवाने का आरोप लगाया।

अपने समाज के नरेश मीणा को जेल से छुड़वाएं

किरोड़ी के बेनीवाल से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के बाद बेनीवाल ने किरोड़ी से कहा कि आप अपने आपको इतना बड़ा नेता मानते है तो अपने समाज के नेता नरेश मीणा को जेल से छुड़वाते क्यों नहीं। वे अकारण ही जेल में बंद है। राजनीति में नरेश मीणा जैसी घटनाएं होती रहती है। उनके आसपास दो चार घटिया लोग रहते हैं जो उन्हें बरगलाते हैं। बेनीवाल ने डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के माफी मांगने पर कहा कि डॉक्टर साहब मेरे बड़े भाई है। उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं है। मैं उनका सम्मान करता हूं। आमने-सामने होते तो झगड़ा नहीं होता। यह तो टीवी वालों ने घुमा फिरा दिया। मैंने कहा सरकार पर्दा डाल रही है। टीवी वालों ने मेरे हवाले से कहा दिया कि डॉक्टर साहब पर्दा डाल रहे हैं जिससे आपसी टकराव बढ़ गया।

खाद बीज व बजरी माफिया पर किरोड़ीलाल मीणा ने की कठोर कार्रवाई

किरोड़ीलाल मीणा का राजीतिक में लंबा अनुभव है। मंत्री रहते हुए वे 8-10 माह तक चुपचाप बैठे रहे। कोई काम नहीं संभाला लेकिन जब संभाला तो राज्यभर के खाद बीज बेचने वालों पर छापे डाले। नकली खाद बीज को पकड़ा। उनके खिलाफ कार्रवाई की। उनमें से कई भाजपा समर्थक भी थे। इसी प्रकार बजरी माफियाओं को भी टारगेट किया। बजरी माफियाओं की सरकार को चलाने में अहम भूमिका होती है। कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों ही पार्टियां बजरी माफियाओं को पालती पोषती है। बड़ी रकम पार्टी फंड में लेती है। इसलिए बेचारे बजरी माफिया दोनों ही पार्टियों के निशाने पर रहते हैं। किरोड़ीलाल मीणा ने इनको बहुत परेशान किया है।

''राजस्थान गौरव'' सम्मान से राज्यपाल ने किया 28 विभूतियों को अलंकृत

गरिमापूर्ण व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व : हरिभाऊ बागडे

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। ''संस्कृति युवा संस्था'' की ओर से प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित और 30 वर्ष से अनवरत आयोजित हो रहे राजस्थान गौरव सम्मान समारोह अपनी पूर्ण भव्यता के साथ होटल आईटीसी राजपूताना शैरेटन में आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश की 28 लब्ध प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्रदेश की विभूतियों को सम्मानित करना अपने आप में एक अतुलनीय कार्य है और संस्कृति युवा संस्था पिछले 30 वर्षो से राजस्थान की विभिन्न प्रतिभाओं को गरिमापूर्ण तरीके से ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित कर रही है। ये अपने आप में एक अनूठा कार्य है। उन्होने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति को आगे बढाने का दायित्व युवाओं पर है और जिन्हे आज सम्मानित किया गया है ये सब प्रतिभायें राजस्थान का नाम रोशन कर रही है।

इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व हैं और इस प्रकार के आयोजनों में ऐसी प्रतिभाऐं जो प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत में राजस्थान का नाम रोशन कर रही हैं वे भी प्रोत्साहित होगी ओर उनके पद चिन्हों पर चलकर युवा पीढी को मार्ग दर्शन मिलेगा।

मिश्रा ने कहा कि राजस्थान की परम्परा में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाली कर्मभूमि रही हैं और राजस्थान गौरव से सम्मानित हो रही प्रतिभाओं ने जो प्रदेश का नाम रोशन किया हैं उससे सम्पूर्ण प्रदेश गौरवान्वित है। प्रधान संरक्षक एडवोकेट एच.सी. गणेशिया ने संस्कृति द्वारा किये जा रहे कार्यो की भूरी-भूरी प्रंशसा करते हुए कहा कि संस्कृति द्वारा देश के युवाओं को भारतीय संस्कृति की तरफ पुनः आकर्षित करने के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं वे सराहनीय हैं ओर युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति का मोह छोड भारतीय संस्कृति का संवाहक बनना चाहिए।

संस्था की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक सौम्यता मिश्रा ने बताया कि संस्था देश की सबसे बडी मैराथन का आयोजन पिछले 15 वर्षो से अनवरत जारी है। जिसमें देश विदेश के धावक भाग लेते है। इसबार की मैराथन में एक लाख 25 हजार धावको ने भाग लिया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त देश विदेश की प्रतिभाओं को लंदन की पार्लियामेंट, फ्रांस की सीनेट और अमेरिका के यूनाइटेड नेशन में संस्कृति युवा संस्था भारत गौरव सम्मान का आयोजन कर रही है। साथ ही नवसंवत्सर का स्वागत, वर्ल्ड हैल्थ फेस्टिवल, नववर्ष की शुरूआत दारू नहीं दूध से करें जैसे अभियान पिछले 30 वर्षो से अनवरत जारी है।

संस्था के संरक्षक गोविन्द पारीक एवं कार्यक्रम संयोजक सुनील खेतपालिया ने जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान गौरव सम्मान समारोह समिति ने 30 वर्षो के सभी चयनों में पारदर्शिता अपनाई है। इस अवसर पर राजस्थान गौरव से 28 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया हैं।

इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की चैयरमेन डॉ. मनीषा अरोड़ा, मुंबई के प्रसिद्ध संगीतकार पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित अली-गनी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता, करौली की महारानी रोहिणी कुमारी, आईपीएस दीपक भार्गव, प्रसिद्ध सारंगी वादक पद्मश्री उस्ताद मोइनुद्दीन खान, प्रमुख न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दिनेश खंडेलवाल, जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी, गुजरात इनकम टैक्स के चीफ कमिश्नर सतीश शर्मा, आध्यात्मिक गुरू आचार्य इशान शिवानंद, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर के डॉ. नरेन्द्र कुमार राठौड़, प्रमुख न्यूरोलॉजिस्ट उदयपुर डॉ अनीश जुक्करवाला, प्रमुख हृदय रोग विशेष ईएचसीसी डॉ. आर.एस. खेदर, वर्धमान ग्रुप के चैयरमेन कमल सेठिया, समाजसेवी डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, आम्रपाली एक्सपोर्ट के सीईओ एवं क्रियेटिव डायरेक्टर तरंग अरोड़ा, एनएवी इंडिया के एमडी सीए अनिल अग्रवाल, राजस्थान के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी, इवेंट मैनेजर अमित सरीन, राजस्थान पत्रिका के डिप्टी न्यूज एडिटर ललित तिवारी, बिरधीचंद घनश्यामदास ज्वैलर्स के एमडी वैभव अग्रवाल, समाजसेवी हेमन्त जोशी, समाजसेवी अजय पाराशर, प्रमुख दंत चिकित्सक डॉ. निशांत गुप्ता, राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित राजस्थान की एकमात्र महिला सरपंच सविता राठी, ज्वैलर प्रदीप कुमार रॉय, कत्थक नृत्यांगना श्रुति मिश्रा, मिस ओशियन वर्ल्ड इंडिया पारूल सिंह एवं गौरक्षक हरीश सोनी को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं दुपटटा देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीप प्रज्जवलन राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार जैन, प्रदेशाध्यक्ष गौरव धामाणी ने अतिथियों का स्वागत किया। अन्त में संरक्षक गोविन्द पारीक ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

लॉयन सुनील अरोड़ा के मल्टीपल सचिव बनने पर अभिनन्दन

लायंस एवं लियो क्लब आकाशदीप व क्वीन के मेंटोर डॉ.एलसी भारतीय ने लॉयन सुनील अरोड़ा को शॉल, साफा पहनाकर किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पूर्व प्रांतपाल लॉयन सुनील अरोड़ा के मल्टीपल सचिव चुने जाने के बाद पहली बार जयपुर आने पर 26 क्लबों ने भव्य स्वागत किया। जयपुर के एमआई रोड स्थित चाणक्य होटल में लॉयन बसंत जलेवा के सेंट्रल स्पाइन क्लब एवं लियो क्लब के पदस्थापना समारोह में यह भव्य अभिनन्दन हुआ। लायंस एवं लियो क्लब आकाशदीप व क्वीन के मेंटोर डॉ.एलसी भारतीय ने लॉयन सुनील अरोड़ा को शॉल, साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया। डॉ. भारतीय ने सुनील अरोड़ा को ऐतिहासिक प्रांतपाल बताते हुए कहा कि सुनील अरोड़ा ने प्रांत में जो नए आयाम स्थापित किए हैं वैसा अब तक किसी ने नहीं किया। लॉयनवाद के चाणक्य एवं किंगमेकर की भूमिका निभाने वाले महान शिक्षाविद् लॉयन अशोक ठाकुर का भी शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। प्रांत के सर्वश्रेष्ठ लॉयन जिन्होंने सेवा कार्यों में चिकित्सा एवं सैन्य को भी सम्मिलित किया। लॉयन बसंत जलेवा का भी डॉ. भारतीय एवं पीएमजेएफ लॉयन मीनू भारतीय ने शॉल एवं अभिनन्दन चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर ओपी मंगल ने किया। इस अवसर पर लियो प्रेसिडेंट रोहन अग्रवाल, क्वीन की सचिव डॉ. श्वेता गुप्ता व लियो वंश गुप्ता भी उपस्थित थे।

हर जरूरतमंद तक पहुंचना ही लायनवाद की प्राथमिकता हो : सुनील अरोड़ा

कार्यालय संवाददाता

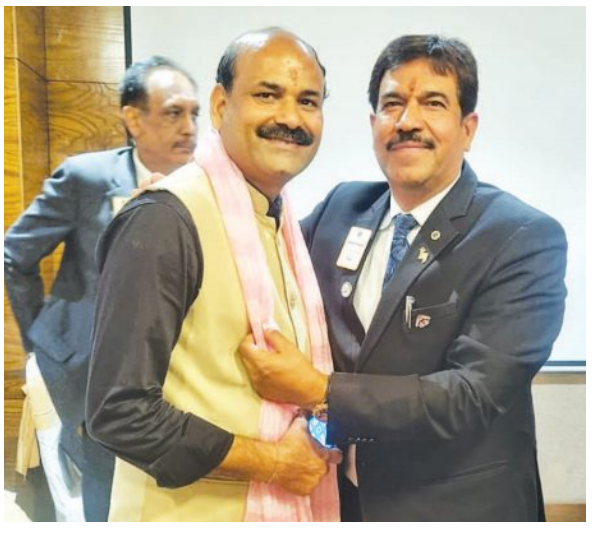

जयपुर। लायंस एवं लियो क्लब सेंट्रल स्पाइन के पदस्थापना समारोह कार्यक्रम में सुनील अरोड़ा मुख्य अतिथि के रुप में लायन आलोक अग्रवाल इंडक्शन आफीसर,लायन अशोक ठाकुर पदस्थापना अधिकारी,लायन ओपी मंगल स्पेशल गेस्ट, एवं लियो रोहन अग्रवाल,लायन अशोक जिंदल रीज़न चेयरपर्सन अमित पारीक जोन चेयरपर्सन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

लायंस क्लब सेंट्रल स्पाइन के अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन डा.बसंत जलेवा की अध्यक्षता में सम्पन्न आयोजन में सबसे पहले नवनिर्वाचित मल्टीपल काउंसिल सेक्रेटरी पीएमजेएफ लायन सुनील अरोड़ा का सेंट्रल स्पाइन सहित जयपुर के 25 से अधिक क्लबों ने भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया जिससे सुनील अरोड़ा भावुक हो उठे।

पीडीजी लायन आलोक अग्रवाल ने नये लायंस एवं लियो सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई तथा पीडीजी लायन अशोक ठाकुर साहब द्वारा सारगर्भित उद्बोधन के साथ लायंस एवं लियो टीम 25-26 को पदस्थापित कराया गया।

कार्यक्रम को स्पेशल गेस्ट ओपी मंगल, पीएमजेएफ लायन एलसी भारतीय,लायन मीनू भारतीय आरसी अशोक जिंदल ,जेड सी अमित पारीक, रोहन अग्रवाल द्वारा संबोधित किया गया।

समारोह का संचालन लायन सीए दिनेश सिंघल एवं लायन योगिता जलेबा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि सुनील अरोड़ा ने बहुत ही भावुक उद्बोधन में खूब सेवा कार्य करने सहित मिशन 1.5 को सफल बनाने के लिए नये सदस्य जोड़ने की अपील की साथ ही अपनी कार्यशैली के अनुसार अनेक सदस्यों को शानदार स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की विशेषता यह भी रही कि पूरे तीन घंटे होटल चाणक्य का भव्य सभागार खचाखच भरा रहा ,ना कोई सदस्य बीच में उठा और ना ही कहीं कोई बोरियत हुई। पूर्व सीईओ संजीव कुमार जैन, पूर्व आरसी एवं डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरपर्सन लायन मीनू भारतीय, पूर्व आरसी अनिल गर्ग, पीएमजेएफ अशीष शर्मा , शंकर सिंह खंगारोत , एसके भगवान, पूर्व ज़ोन चेयरपर्सन अनुज शर्मा, महेंद्र बैराठी, सामन्ता श्रीवास्तव, संध्या टंडन, मुकेश शर्मा, मुकेश अरोड़ा, रोहित जौली, सीए रेणु सिंघल, विमल कोठारी , रामशरण जांगिड़ ,सुमित्रा गोलिया सहित सौ से अधिक लायन लियो उपस्थित रहे , बसंत जी जलेवा द्वारा विभिन्न क्लबों से पधारे पदाधिकारियों का सम्मान किया गया, कार्यक्रम का समापन लजीज लंच के साथ हुआ।

संयोजक लायन बसंत जलेवा ने बताया कि जयपुर से लायन्स क्लब सुप्रीम, महानगर, आकाशदीप क्वीन, फ्रैंड्स, एंजिल रुबी, समर्पण, मालवीय नगर, डायमंड, सेंट्रल स्पाइन, भास्कर, आमेर फोर्ट, आदर्श नगर स्पार्कल, भव्य,रायल, मैत्रेई, साऊथ, वैस्ट, हवामहल, बनीपार्क, चार्टर्ड अकाउंटेंट के अलावा गंगापुर सिटी, हिंडौन सेन्ट्रल,सीकर ,खैरथल के क्लबों की सहभागिता रही।

विकल्प नाट्य संगठन ने की डॉ. भारतीय को स्वर्ण जयंती उत्सव की पुस्तक भेंट

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान की साधारण सभा की मीटिंग में आए प्रख्यात रंगकर्मी शिक्षाविद् एवं समाजसेवी अध्यक्ष विकल्प नाट्य संगठन मोहनलाल गोयल ने विकल्प नाट्य संगठन द्वारा नाट्य कला एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के जनक भारतेंदू हरिशचंद्र को समर्पित पुस्तक राष्ट्रपति सम्मानित, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. एलसी भारतीय को भेंट की। विकल्प पत्रिका में विभिन्न महापुरुषों एवं नेताओं के लेख हैं।

जयपुर। जलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर लायंस एंड लियो क्लब आकाशदीप एवं क्वीन द्वारा गौ सेवा की गई। गायों को हरा चारा, लड्डू, गुड़, रोटी, केले, खीरा इत्यादि खिलाया गया। कार्यक्रम में क्वीन की सचिव लॉयन डॉ. श्वेता गुप्ता एवं अध्यक्ष पीएमजेएफ लॉयन मीनू भारतीय का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक : बजट घोषणाओं के निर्माण कार्य हों समय से पूरे

18 सितम्बर से गांव चलो अभियान, लंबित राजस्व प्रकरणों का होगा निस्तारण : भजनलाल शर्मा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

गांव चलो अभियान से ग्रामीणों तक सुलभ होंगी सरकारी सेवाएं

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे।

पुराने भवनों की मरम्मत करें, गुणवत्ता का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों

का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके।

शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर जारी किए जा चुके हैं।

बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आकाशदीप स्कूल पुरानी बस्ती ने मनाया शिक्षक दिवस

जयपुर। जाट के कुंए का रास्ता चांदपोल बाजार स्थित आकाशदीप पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल ने गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया। छात्रों ने शिक्षकों का सम्मान किया। संस्था के संस्थापक निदेशक डॉ. एलसी भारतीय जिन्होंने 1972 में इस संस्था की नींव रखी थी, ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी तथा शॉल व मिठाई का पैकेट देकर सम्मान किया। संस्था की प्राचार्या शांति वरियानी, शिक्षक अमित शर्मा को पगड़ी ओढ़ाकर सम्मानित किया।

विद्यार्थियों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर अलवर के चिनार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही को देखा। विद्यार्थियों ने देवनानी से विधानसभा की कार्यप्रणाली व संसदीय परंपराओं को समझा। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की गरिमा और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने पीतल वाले ऐतिहासिक गेट पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और वनमंत्री संजय शर्मा के साथ सामूहिक चित्र लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर के लिए विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

रामदेव जयंती पर उनके कोटि-कोटि अनुयायियों को बधाई व मंगलकामना

बाबा रामदेव, रामसा पीर की जयंती साम्प्रदायिक एकता का प्रतीक

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

रामदेव जयंती अर्थात बाबा रामदेव का जन्म दिवस उनके भक्तों द्वारा समस्त भारत वर्ष में मनाया जाता है। यह तिथि भाद्रपद शुक्ल द्वितीया को पड़ती है। रामदेवरा (जैसलमेर) स्थित बाबा रामदेव के मंदिर में एकादशी तक एक अंतरप्रांतीय मेले का आयोजन होता है। जिसे भादवा का मेला कहते हैं। इस मेले में देशभर के हिंदू मुस्लिम श्रद्धालु यात्रा करते हुए बाबा के रामदेवरा स्थित मंदिर में पहुंचते हैं। बाबा की समाधि पर मत्था टेकते हैं तथा परिक्रमा करते हैं। बाबा रामदेव ने विक्रम संवत 1442 को भाद्र पद शुक्ल एकादशी को राजस्थान के रामदेवरा से 10 किमी पोकरण से 10 किमी दूर समाधि ली थी। बाबा रामदेव ने राजपूत होते हुए भी जीवित समाधि ली थी। जहां पर उन्हें धोकने हिन्दू मुस्लिम बिना किसी भेदभाव के आते हैं।

बाबा रामदेव ने जीवन गरीबों एवं समाज के वंचित लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया

एक जमाना था जब दलितों अछूतों को स्वर्ण अपने मंदिरों में प्रवेश नहीं देते थे। आज भी देश के कई मंदिरों में दलितों हरिजनों एवं अछूतों का प्रवेश वर्जित है। ऐसे समय में बाबा रामदेव का जन्म हुआ। उन्होंने देश से छुआछूत मिटाने का भरसक प्रयास किया। उनके भक्तों में दलित अछूत एवं गरीब लोग ही थे। हमारे यहां एक कहावत भी मशहूर है कि बाबा रामदेव को डेढ़ ही डेढ़ मिले अर्थात सवर्णों को उन्होंने अपने नजदीक फटकने नहीं दिया। बाबा रामदेव मनुष्यों में समानता में विश्वास करते थे। चाहे वह उच्च हो या गरीब उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों व उत्पीड़ितों की सेवा में लगा दिया। उन्हें अक्सर घोड़े पर बैठा हुआ दिखाया जाता है। उनके अनुयायी राजस्थान, गुजरात मध्यप्रदेश, दिल्ली व पाकिस्तान के सिंध तक फैले हुए हैं।

राजा अजमल की संतान थे बाबा रामदेव

राजा अजमल ने मीनल देवी से विवाह किया लेकिन उनके कोई संतान नहीं थी। वे द्वारका गए भगवान कृष्ण के सामने बैठकर संतान प्राप्ति की प्रार्थना की। भगवान ने उनकी इच्छा पूरी की। उनके दो पुत्र हुए बड़े वीरमदेव, छोटे रामदेव। रामदेव का विवाह निहाल देवी के साथ हुआ। जो अमरकोट के राजपूत राजा था। राजा अजमल के पुत्र रामदेव ने भगवान की भक्ति में लीन होकर अपना नाम कमाया। उनके पिता ने भी द्वारका जाकर भगवान कृष्ण की भक्ति की। जब भगवान ने कोई उत्तर नहीं दिया तो एक सूखा लड्डू फेंककर बाहर आ गए। पुजारी ने उन्हें द्वारका जाने की सलाह दी। द्वारका उस समय समुद्र में डूबा हुआ था। निडर राजा समुद्र में कूद कर भगवान से मिलने गए। भगवान उनकी भक्ति व विश्वास देखकर प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान से मांगा कि उनके पुत्र के रूप में जन्म लें। वीरमदेव

के बाद बाबा रामदेव का जन्म हुआ। यह कृष्ण का छोटा रूप माना गया तथा उनकी प्रसिद्धी फैलती गई।

मुसलमान रामदेव को रामसा पीर के नाम से जानते हैं

हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक के रूप में भी बाबा रामदेव को जाना जाता है। उनके पास अद्भूत शक्तियां थी। किवंदती के अनुसार मुसलमानों के धार्मिक स्थल मक्का से पांच पीर बाबा रामदेव की परीक्षा लेने आए। रामदेव ने उनका स्वागत किया और उनके साथ भोजन करने का आग्रह किया। पीरों ने मना कर दिया कि वे उसी बर्तन में भोजन करते हैं जो मक्का में है। बाबा रामदेव मुस्कुराए और बोले देखो आपके बर्तन आ रहे हैं तभी हवा में उड़कर उनके बर्तन मक्का से उड़कर यहां आ गए। उनकी शक्तियों को देखकर पीर बहुत खुश हुए और उन्हें रामसा पीर का नाम दिया। पीर हमेशा के लिए बाबा रामदेव के साथ रहने लगे। उनकी कब्रे भी बाबा रामदेव की समाधि के पास स्थित है। बाबा रामदेव ने अपने जीवन मे कुल 24 चमत्कार किए। राजपूत राजा होते हुए भी उन्होंने राजकाज छोड़कर दलितों अछूतों पीड़ितों की सेवा का व्रत लिया। आइए ऐसे संत को हम कोटि-कोटि नमन करते हैं।

विधानसभा में बिना बहस के कोचिंग कॉलेजों के नियंत्रण का बिल पास

कोचिंग संचालकों ने कहा-हम पर लगाम लगाओगे तो चुनावी दान चंदे के लिए तरसोगे !

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

राज्य सरकार ने बहुचर्चित बहुप्रतिक्षित कोचिंग रेगुलेशन संशोधित बिल बुधवार को ध्वनि मत से विधानसभा में पास करा लिया। विपक्ष विधानसभा के बाहर झालावाड़ में मृत बच्चों को श्रद्धांजलि देने की मांग करता रहा। पिछली बार जब यह बिल विधानसभा में लाया गया था तब पक्ष-विपक्ष के 29 विधायकों ने इसका विरोध किया था जिसमें 17 पक्ष और 12 विपक्ष के विधायक सम्मिलित थे। पूर्व शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने सबसे जोरदार ढंग से इसका विरोध किया था। विरोध के कारण यह बिल प्रवर समिति को सौंप दिया गया। प्रवर समिति के कुछ संशोधना के बाद बुधवार को बिल को विधानसभा में पुनः प्रस्तुत किया जिसे ध्वनिमत से पास कर दिया गया। अब कोचिंग रेग्यूलेशन बिल

राजस्थान में लागू हो गया।

कोचिंग एक साथ पूरी फीस नहीं ले सकेंगे, कोचिंग छोड़ने पर पूरी फीस वापस लौटानी होगी

बुधवार को विधानसभा में लागू संशोधित कोचिंग रेग्यूलेशन के अनुसार कोई भी कोचिंग संस्थान एक साथ फीस नहीं ले सकेगा। बीच में पढ़ाई छोड़ने पर कोचिंग और हॉस्टल फीस वापस लौटानी होगी। 100 स्टूडेंट वाले कोचिंग कॉलेजों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। यदि कोई कोचिंग सेंटर इन शर्तों का उल्लंघन करता है तो पहली बार 50 हजार और दूसरी बार दो लाख रुपए जुर्माने के बतौर भरने होंगे। मनमानी फीस वसूल करने पर कोचिंग का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा और कोचिंग की जमीन भवन को कुर्क किया जाएगा। इस प्रकार इससे पहले कांग्रेस विधायकों ने सदन से वाक आउट किया। आसानी से कोचिंग रेग्यूलेशन बिल पास हो गया।

कोचिंग स्टूडेंट्स की शिकायतों के लिए हर जिले में बनेंगे कॉल सेंटर

कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए हर जिले में कॉल सेंटरों का गठन किया जाएगा। जिला स्तर पर समिति भी बनेगी। 24 घंटे कॉल सेंटर खुले रहेंगे। एक कमेटी बनाई जाएगी जिसने एसपी शहरी निकाय आयुक्त, कलक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, सीएमएचओ सदस्य होंगे। जिला समिति को सिविल कोर्ट के अधिकार होंगे। कोचिंगों पर निगरानी के लिए राजस्थान कोचिंग सेंटर प्राधिकरण भी बनेगा। 100 विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटर को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। यदि कोई नियमों का उल्लंघन करेगा तो 50 हजार से 2 लाख तक का जुर्माना भुगतना होगा। इस प्रकार सरकार ने कोचिंग सेंटर रेग्यूलेशन बिल के माध्यम से कोचिंगों पर नकेल कसने की पूरी तैयारी कर ली है।

राजनेताओं का काम कोचिंगों के दान चंदे से चलता है

राजनेता चाहे वह पक्ष का हो या विपक्ष का, उनका काम व चुनाव जीतना हारना कोचिंगों के दान चंदे से चलता है। कोचिंग सेंटर मालिक बिना किसी हिसाब किताब के मोटी रकम चुनावी चंदे में देते हैं। नामी कोचिंग सेंटर ने तो कोटा से निर्वाचित एक बड़े नेता को अपने कोचिंग सेंटर की बगल में एक बड़ा मैदान व भवन जनसुनवाई के लिए दे रखा। उनके कोटा प्रवास पर लोग वहीं आकर मिलते हैं। ऐसी व्यवस्था राजस्थान के कई नगरों में कोचिंग संचालकों ने कर रखी है। अतः सरकार राजनेताओं के संरक्षण के चलते कोचिंग कॉलेजों का बाल भी बांका नहीं कर सकती है। सरकार चलाने में कोचिंग वालों का बहुत बड़ा हाथ है।

कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान की साधारण सभा एवं द्विवार्षिक चुनाव संपन्न

श्याम सुंदर भूतड़ा अध्यक्ष, डॉ. एलसी भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष, सुरेश त्रिवेदी को पुनः सर्वसम्मति से चुना सचिव

प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी गोपाल दास गुप्ता संरक्षक मनोनीत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। स्व. आरडी मंत्री द्वारा स्थापित कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान की साधारण सभा ईपी के ब्लू प्लूटो रेस्टोरेंट में श्याम सुंदर भूतड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सचिव सुरेश त्रिवेदी ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया तथा आगामी वर्ष का वार्षिक बजट का अनुमोदन किया गया। सोसायटी के द्विवार्षिक चुनाव निर्वाचन अधिकारी ज्ञानचंद जैन ने संपन्न कराए। अध्यक्ष पद पर पुनः श्यामसुंदर भूतड़ा चुने गए। कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. एलसी भारतीय एवं सचिव पद पर पुनः सुरेश त्रिवेदी को चुना गया। राम सहाय पारीक को सांस्कृतिक सचिव नियुक्त किया गया। बाकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का मनोनयन अध्यक्ष की सहमति से निर्वाचन अधिकारी करेंगे। सोसायटी में नए सदस्य सम्मिलित किए गए जिनका माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। प्रमुख व्यवसायी लॉयन अशोक जैन कोटलर का भी अभिनन्दन किया गया। नए सदस्यों ललित माहेश्वरी, रमेश चंद्र माहेश्वरी, अशोक शर्मा, सुनील गहलोत, प्रदीप कुमार अग्रवाल एवं अनिल गुप्ता ने संस्था की सदस्यता ग्रहण की। नई कार्यकारिणी का सभी नए सदस्यों को माल्यार्पण कर सम्मान किया। डॉ. भारतीय ने कल्चरल सोसायटी के संस्थापक स्व. आरडी मंत्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन परिस्थितियों का ब्योरा प्रस्तुत किया जिनमें विगत 67 वर्ष में सोसायटी नवांकुर के कलाकारों को प्रमोटकर नाट्य विद्या में पारंगत किया। साधारण सभा के पश्चात गीत संगीत का कार्य क्रम शंकर सहाय पारीक, दिलीप सिंह नरुका व राजेंद्र परनामी द्वारा प्रस्तुत गीतों की प्रस्तुतियों का रहा।

बड़ी धूमधाम से किया गणेश प्रतिमा का विसर्जन

जयपुर। आकाशदीप पब्लिक स्कूल में गणेश महोत्सव के दौरान स्थापित गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन स्कूल के विद्यार्थियों ने धूमधाम किया। विद्यार्थी एक ही स्वर में गणपति बप्पा मोरया-अगले बरस तू जल्दी आ गा रहे थे। गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान गणेश जी की प्रतिमा को स्कूल से जुलूस के रूप में ले जा गया और द्रव्यवती नदी में विसर्जित किया गया। बच्चों ने मंत्रोच्चारण के साथ ही गणपति जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. एल.सी भारतीय द्वारा आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। **मोबाइलः** 9829061123 **फोन :** 2312169